This Question Paper consists of 51 questions and 12 printed pages.
अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्नाः एवम् 12 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्नपत्र में 51 प्रश्न तथा 12 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमाङ्कः :
रोल नं.

Code No.
गूढसंख्या **68/SS/O**
कोड नं.

SET
सेट **A**

BHARATIYA DARSHAN
भारतीयदर्शनम्
भारतीय दर्शन
(347)

Day and Date of Examination :
(परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च)
(परीक्षा का दिन और दिनांक) ____________________

Signature of Invigilators :
(निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्)
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)
1. ____________________
2. ____________________

सामान्या निर्देशाः/सामान्य निर्देश :

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
   प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
   प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
   वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
   उत्तर-पत्र में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **68/SS/O-A** नूनं लेख्या।
   अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं. **68/SS/O-A** अवश्य लिखें।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

NOTE :

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.

(2) 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 02.15 p.m. From 02.15 p.m. to 02.30. p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

BHARATIYA DARSHAN
भारतीयदर्शनम्
भारतीय दर्शन
(347)

परीक्षासमयावधिः (Time) : होरात्रयम् (3 Hrs)] **[पूर्णाङ्काः (Full Marks) : 100**

परीक्षा का समय : तीन घंटे **पूर्णाङ्क : 100**

निर्देशाः

निर्देश :

(1) अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **20**, **[B]** भागे **15**, **[C]** भागे **6**, **[D]** भागे **6**, **[E]** भागे **4** इति आहत्य **51** प्रश्नाः सन्ति।

इस प्रश्न पत्र में **[A]** भाग में **20**, **[B]** भाग में **15**, **[C]** भाग में **6**, **[D]** भाग में **6** और **[E]** भाग में **4**, कुल मिलाकर **51** प्रश्न शामिल हैं।

(2) **सर्वे** प्रश्नाः **अनिवार्याः**।

सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

(3) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्का × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

प्रश्न के दाहिनी ओर की संख्या (अंक × प्रश्न = पूर्णांक) अंक को सूचित करती है।

(4) **A** भागे **प्र.सं. 1 तः 20** पर्यन्तं वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः **(MCQs)** येषु प्रत्येकम् एकः अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु।

A भाग में **प्र.सं. 1 से 20** तक वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न **(MCQs)** प्रत्येक एक अंक के होंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें और लिखें।

(5) **B** भागे प्र.सं. **21 तः 35** पर्यन्तम् वस्तुनिष्ठप्रश्नाः/मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्-असत्यम् इत्यादि। प्रत्येकं प्रश्नः अङ्कद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

भाग B में प्रश्न **21 से 35** तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न/मिलान, रिक्त स्थान, सत्य-असत्य आदि हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। उन्हें निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(6) **C** भागे प्र.सं. **36 तः 41** पर्यन्तम् अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **30 तः 50** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **C** में प्रश्न संख्या **36 से 41** तक प्रत्येक दो-दो अंक का अति लघु उत्तरीय प्रश्न है। निर्देशानुसार उन्हें **30 से 50** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(7) **D** भागे प्र.सं. **42 तः 47** पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **50 तः 80** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **D** में प्रश्न संख्या **42 से 47** तक प्रत्येक तीन अंक के लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उन्हें **50 से 80** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(8) **E** भागे प्र.सं. **48 तः 51** पर्यन्तम् दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् पञ्चाङ्कात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **80 तः 100** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **E** में प्रश्न संख्या **48 से 51** तक प्रत्येक पांच अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उन्हें **80 से 100** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(9) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यनि।

सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखे जाने चाहिए।

(10) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

अपनी उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न पत्र का गुप्त क्रमांक अवश्य लिखें।

(11) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

उत्तर पुस्तिका पर स्व-पहचान लिखना या निर्धारित स्थान को छोडकर कही भी क्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

(12) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के अंदर लिखने होंगे।

(13) निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

जांचें कि क्या प्रश्न पत्र की पत्र संख्या और प्रश्नों की संख्या पहली पत्र की शुरुआत में दी गई संख्या के समान है या नहीं। प्रश्न क्रम सही है या नहीं।

(14) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

प्रश्न पत्र के प्रथम पत्र में अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(A) प्रश्नसंख्या 1-20 बहुविकल्पप्रश्नाः सन्ति येषां कृते 20 अङ्काः आवण्टिताः भवन्ति। 1x20=20
प्रश्न क्रमांक 1-20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

1. सांख्यमते अहङ्कारस्य उपादानकारणं किम्?

(क) प्रकृतिः (ख) महत्

(ग) तन्मात्राणि (घ) इन्द्रियाणि

सांख्य के अनुसार अहंकार का उपादान कारण क्या है?

(क) प्रकृति (ख) महत्

(ग) तन्मात्र (घ) इन्द्रियां

2. कस्मात् तत्त्वात् षोडशकः गणः समुत्पद्यते?

(क) प्रकृतेः (ख) महत्तत्त्वात्

(ग) अहङ्कारात् (घ) पुरुषात्

सोलहवाँ समूह किस तत्व से उत्पन्न होता है?

(क) प्रकृति से (ख) महत् से

(ग) अहङ्कार से (घ) पुरुष से

3. असत्कार्यवादः कैः अङ्गीक्रियते?

(क) बौद्धैः (ख) सांख्यैः

(ग) नैयायिकैः (घ) अद्वैतवेदान्तिभिः

असत्कार्यवाद को कौन स्वीकार करते हैं?

(क) बौद्ध (ख) सांख्य

(ग) नैयायिक (घ) अद्वैत वेदान्ती

4. एतेषु सत्कार्यवादाभ्युपगमे हेतुः नास्ति –

(क) उपादानग्रहणात् (ख) असदकरणात्

(ग) कार्याभावात् (घ) कारणभावात्

इनमें सत्कार्यवाद को स्वीकार करने का कारण क्या नहीं है?

(क) उपादानग्रहणात् (ख) असदकरणात्

(ग) कार्याभावात् (घ) कारणभावात्

5. वेदान्तमते अभावग्रहणे कः सन्निकर्षः?

(क) संयोगः (ख) संयुक्ततादात्म्यः

(ग) तादात्म्यः (घ) न कोऽपि

वेदांत के अनुसार अभाव की समझ में क्या सन्निकर्ष है?

(क) संयोग (ख) संयुक्ततादात्म्य

(ग) तादात्म्य (घ) कोई नहीं

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

6. वेदान्तमते परार्थानुमाने कति अवयवा: भवन्ति ?

(क) त्रय: (ख) चत्वार: (ग) पञ्च (घ) षट्

वेदांत के अनुसार परार्थानुमान में कितने घटक होते हैं ?

(क) तीन (ख) चार (ग) पांच (घ) छह

7. पर्वतो वह्निमान् धूमात् इत्यत्र साध्य: क: ?

(क) पर्वत: (ख) वह्नि:

(ग) धूम: (घ) महानस:

पर्वतो वह्निमान् धूमात् यहाँ साध्य कौन है ?

(क) पर्वत (ख) वह्नि

(ग) धूम (घ) रसोई

8. वेदान्तमते अभाव: कतिविध: ?

(क) त्रिविध: (ख) चतुर्विध:

(ग) द्विविध: (घ) षड्विध:

वेदान्त के अनुसार अभाव कितने प्रकार के होते हैं ?

(क) तीन (ख) चार

(ग) दो (घ) छह

9. तज्जन्यत्वे सति तज्जन्यजनकत्वम् इति कस्य लक्षणम् ?

(क) अनुमिते: (ख) परामर्शस्य

(ग) व्याप्यस्य (घ) व्यापारस्य

तज्जन्यत्वे सति तज्जन्यजनकत्वम् – यह किसका लक्षण है ?

(क) अनुमिति (ख) परामर्श

(ग) व्याप्य (घ) व्यापार

10. के आगमप्रमाणं न स्वीकुर्वन्ति ?

(क) वेदान्तिन: (ख) नैयायिका:

(ग) नास्तिका: (घ) मीमांसका:

आगम प्रमाण को कौन नहीं मानता ?

(क) वेदान्ति (ख) नैयायिक

(ग) नास्तिक (घ) मीमांसक

11. अर्थापत्ति: कतिधा ?

(क) द्विधा (ख) त्रिधा (ग) चतुर्धा (घ) पञ्चधा

अर्थापत्ति कितने प्रकार की होती है ?

(क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पांच

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

12. ''पीनो देवदत्तो दिवा न भुङ्क्ते'' – इति कस्य प्रमाणस्य उदाहरणम् ?

(क) प्रत्यक्षस्य (ख) स्वार्थानुमानस्य
(ग) अनुपलब्धेः (घ) अर्थापत्तेः

''पीनो देवदत्तो दिवा न भुङ्क्ते'' – यह किस प्रमाण का उदाहरण है ?

(क) प्रत्यक्ष (ख) स्वार्थानुमान
(ग) अनुपलब्धि (घ) अर्थापत्ति

13. कस्यामुपनिषदि आकाशप्रमुखा सृष्टिः प्रतिपाद्यते ?

(क) तैत्तिरीयोपनिषदि (ख) कठोपनिषदि
(ग) वृहदारण्यकोपनिषदि (घ) छान्दोग्योपनिषदि

किस उपनिषद में आकाश प्रमुख सृष्टि का प्रतिपादन किया गया है ?

(क) तैत्तिरीयोपनिषद (ख) कठोपनिषद
(ग) बृहदारण्यकोपनिषद (घ) छान्दोग्योपनिषद

14. कर्मेन्द्रियाणि कस्मात् उत्पद्यन्ते ?

(क) सूक्ष्मभूतानां सात्त्विकांशेभ्यः
(ख) सूक्ष्मभूतानां रजोंऽशेभ्यः
(ग) सूक्ष्मभूतानां तमोंऽशेभ्यः
(घ) न कोऽपि

कर्मेन्द्रियाँ कहाँ से उत्पन्न होती हैं ?

(क) सूक्ष्मभूत के सात्त्विक भागों से
(ख) सूक्ष्मभूत के राजस भागों से
(ग) सूक्ष्मभूत के तामस भागों से
(घ) कोई नहीं

15. अद्वैतवेदान्तमते सूक्ष्मशरीरे कति अवयवाः विद्यन्ते ?

(क) एकादश (ख) त्रयोदश (ग) सप्तदश (घ) षोडशः

अद्वैत वेदांत के अनुसार सूक्ष्म शरीर में कितने अवयव होते हैं ?

(क) ग्यारह (ख) तेरह (ग) सत्रह (घ) सोलह

16. विषयेभ्यो बाह्येन्द्रियाणां निग्रहः किमुच्यते ?

(क) शमः (ख) दमः (ग) उपरतिः (घ) वैराग्यम्

बाह्य इन्द्रियों को विषयों से निग्रह क्या कहते है ?

(क) शम (ख) दम (ग) उपरति (घ) वैराग्य

17. कति अनुबन्धाः ?

(क) द्वौ (ख) त्रयः (ग) चत्वारः (घ) पञ्च

कितने अनुबंध हैं ?

(क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पांच

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

18. साधनचतुष्टये अयम् अन्यतमः –

(क) विषयः (ख) विवेकः

(ग) श्रवणम् (घ) प्रयोजनम्

यह चार साधनों में से एक है –

(क) विषय (ख) विवेक

(ग) श्रवण (घ) प्रयोजन

19. वेदान्तानां कुत्र तात्पर्यम् ?

(क) कर्मणि (ख) स्वर्गे

(ग) ब्रह्मणि (घ) समाधौ

वेदान्तवाक्यों का तात्पर्य कहाँ है ?

(क) कर्म में (ख) स्वर्ग में

(ग) ब्रह्म में (घ) समाधि में

20. अयमनुबन्धेषु अन्यतमः –

(क) दमः (ख) विवेकः

(ग) सम्बन्धः (घ) समाधिः

यह अनुबंधों में से एक है –

(क) दम (ख) विवेक

(ग) सम्बन्ध (घ) समाधि

(B) प्रश्नसंख्या 21-35 वस्तुनिष्ठप्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नः द्वयोः अङ्कयोः भवति, तदर्थं 30 अङ्काः आवण्टिताः भवन्ति। 2x15=30

प्रश्न संख्या 21-35 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है और इसके लिए 30 अंक निर्धारित है।

अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु उत्तरं ददातु।

नीचे दिए गए रिक्त स्थानों का उत्तर दीजिए।

21. वाक् . . . . . पादः . . . . . उपस्थं चेति पञ्च कर्मेन्द्रियाणि। **2**

वाक् . . . . . पादः . . . . . उपस्थं चेति पञ्च कर्मेन्द्रियाणि।

22. यत्र यत्र . . . . . तत्र तत्र वह्निः इति . . . . . व्याप्तिः। **2**

यत्र यत्र . . . . . तत्र तत्र विह्नः इति . . . . . व्याप्तिः।

23. . . . . . हेतुः . . . . . इति त्रयः अवयवाः परार्थानुमानस्य। **2**

. . . . . हेतुः . . . . . इति त्रयः अवयवाः परार्थानुमानस्य।

24. काम्यं . . . . . नित्यं . . . . . प्रायश्चित्तं चेति पञ्चविधानि कर्माणि। **2**

काम्यं . . . . . नित्यं . . . . . प्रायश्चित्तं चेति पञ्चविधानि कर्माणि।

25. ब्रह्म . . . . . जगत् . . . . . जीवो ब्रह्मैव नापरः। **2**

ब्रह्म . . . . . जगत् . . . . . जीवो ब्रह्मैव नापरः।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

26. अधोलिखितवाक्ययोः सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। 2

(क) अर्थाध्यासः ज्ञानाध्यासः इति अध्यासः द्विविधः। सत्यम् /असत्यम्

(ख) अद्वैतवेदान्तमते अनादयः सप्त। सत्यम् /असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथन चुनें।

(क) अध्यास दो प्रकार के होते हैं – अर्थाध्यास और ज्ञानाध्यास। सत्य/असत्य

(ख) अद्वैत वेदांत के अनुसार सात अनादि हैं। सत्य/असत्य

27. अधोलिखितवाक्ययोः सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। 2

(क) श्रवण-मननयोः अनन्तरं निदिध्यासनं क्रियते। सत्यम् /असत्यम्

(ख) आनन्दरूपब्रह्मप्राप्तिरेव मोक्षः। सत्यम् /असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथन चुनें।

(क) श्रवण और मनन के बाद निदिध्यासन किया जाता है। सत्य/असत्य

(ख) आनंद रूप ब्रह्म की प्राप्ति ही मोक्ष है। सत्य/असत्य

28. अधोलिखितवाक्ययोः सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। 2

(क) ब्रह्म नित्यशुद्धबुद्धमुक्तस्वरूपम्। सत्यम् /असत्यम्

(ख) मननम् एव समाधिः। सत्यम् /असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथन चुनें।

(क) ब्रह्म शाश्वत शुद्ध बुद्ध-मुक्त रूप है। सत्य/असत्य

(ख) मनन ही समाधि है। सत्य/असत्य

29. अधोलिखितवाक्ययोः सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। 2

(क) समाधिः त्रिविधः। सत्यम् /असत्यम्

(ख) विकल्पो नाम अभेदः। सत्यम् /असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथन चुनें।

(क) समाधि तीन प्रकार की होती है। सत्य/असत्य

(ख) विकल्प ही अभेद है। सत्य/असत्य

30. अधोलिखितवाक्ययोः सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। 2

(क) भारतीयपरम्परायां षट् आस्तिकदर्शनानि सन्ति। सत्यम् /असत्यम्

(ख) श्रीरामकृष्णस्य गुरुः आसीत् स्वामिविवेकानन्दः। सत्यम् /असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथन चुनें।

(क) भारतीय परंपरा में छह आस्तिक दर्शन हैं। सत्य/असत्य

(ख) स्वामी विवेकानन्द श्री रामकृष्ण के गुरु थे। सत्य/असत्य

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

31. मेलनं कुरु – **2**

(क) संसर्गानवगाहि ज्ञानं	(क) सविकल्पकम्
	(ख) निर्विकल्पकम्
(ख) सोऽयं देवदत्तः इति ज्ञानम्	(ग) सविकल्पकम्
	(घ) निर्विकल्पकम्

उचित मिलान करें :

(क) संसर्गानवगाहि ज्ञान	(क) सविकल्पक
	(ख) निर्विकल्पक
(ख) यही वह देवदत्त है यह ज्ञान	(ग) सविकल्पक
	(घ) निर्विकल्पक

32. मेलनं कुरु – **2**

(क) सादृश्यज्ञानम्	(क) उपमानम्
	(ख) अनुमानम्
(ख) पर्वतो वह्निमान्	(ग) प्रतिज्ञा
	(घ) हेतुः

उचित मिलान करें :

(क) सादृश्यज्ञान	(क) उपमान
	(ख) अनुमान
(ख) पर्वतो वह्निमान्	(ग) प्रतिज्ञा
	(घ) हेतु

33. मेलनं कुरु – **2**

(क) यावन्ति मतानि तावन्तः पन्थानः	(क) श्रीरामकृष्णः
	(ख) विवेकानन्दः
(ख) चत्वारः योगाः सन्तिः	(ग) श्रीरामकृष्णमते
	(घ) विवेकानन्दमते

उचित मिलान करें :

(क) जितने मत हैं उतने मार्ग भी हैं	(क) श्रीरामकृष्ण
	(ख) विवेकानन्द
(ख) चार योग हैं	(ग) श्रीरामकृष्ण मत के अनुसार
	(घ) विवेकानन्द मत के अनुसार

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

34. मेलनं कुरु – 2

(क)	ईश्वरप्रेम	(क)	भक्ति:
		(ख)	ज्ञानम्
(ख)	मन:संयम:	(ग)	राजयोग:
		(घ)	कर्मयोग:

उचित मिलान करें :

(क)	ईश्वरप्रेम	(क)	भक्ति
		(ख)	ज्ञान
(ख)	मन का संयम	(ग)	राजयोग
		(घ)	कर्मयोग

35. मेलनं कुरु – 2

(क)	अद्वैतवेदान्तमते मुक्ति:	(क)	द्विविधा
		(ख)	त्रिविधा
(ख)	स्थितप्रज्ञो हि	(ग)	क्रममुक्त:
		(घ)	जीवन्मुक्त:

उचित मिलान करें :

(क)	अद्वैत वेदांत के अनुसार मुक्ति	(क)	दो प्रकार
		(ख)	तीन प्रकार
(ख)	स्थितप्रज्ञ होता है	(ग)	क्रममुक्त
		(घ)	जीवन्मुक्त

(C) षट्-प्रश्नानां यथानिर्देशम् लघूनि उत्तराणि लिखत। 2x6=12
निर्देशानुसार छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें।

36. ईश्वर: क: ? ईश्वरसाक्षी च क: ?

अथवा

का बुद्धि: ? किं च चित्तम् ?

ईश्वर कौन है ? और ईश्वरसाक्षी कौन है ?

अथवा

बुद्धि क्या है ? और मन का क्या ?

37. पौरुषेयत्वं नाम किम् ? योग्यता नाम का ?

पौरुषेयत्व क्या है ? वाक्यर्थज्ञान में योग्यता क्या है ?

38. तात्पर्यं नाम किम् ? आसत्ति: नाम का ?

अथवा

शाब्दबोधे का नाम वृत्ति: ? सा कतिधा ?

तात्पर्य क्या है ? आसत्ति क्या है ?

अथवा

शाब्दबोध में वृत्ति क्या है ? वह कितने प्रकार का है ?

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

39. अद्वैतवेदान्तशास्त्रस्य किं तावत् प्रयोजनम्? कीदृशे विषये विचार: सम्भवति?
अद्वैत वेदांत का प्रयोजन क्या है? किस प्रकार के विषय पर विचार करना संभव है?

40. शुक्तिरजतस्य परिणाम्युपादानकारणं किम्? विवर्तोपादानकारणं च किम्?

अथवा

अपवादो नाम क:? एक: दृष्टान्त: प्रदीयताम्।
शुक्तिरजत का परिणामी उपादान कारण क्या है? और विवर्त उपादान कारण क्या है?

अथवा

अपवाद क्या है? एक उदाहरण दें।

41. अद्वैतवेदान्तमते कतिविध: सन्न्यास:? के च ते?
अद्वैत वेदांत के अनुसार संन्यास कितने प्रकार का होता है? वे कौन हैं?

(D) षट्-प्रश्नान् अनतिदीर्घोत्तरै: समाधत्त। **3x6=18**
छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए।

42. 'अन्त:करणविषये' लघुटिप्पणीं लिखत।

अथवा

कर्मेन्द्रियाणां विषये लघुटिप्पणीं लिखत।
'अंत:करण' विषय पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

अथवा

कर्मेन्द्रियों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

43. असत्कार्यवादविषये लघुटिप्पणीं लिखत।
असत्कार्यवाद पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

44. लक्षणाया: भेदविषये लघुटिप्पणीं लिखत।

अथवा

वेदान्ते सिद्धान्तमते लक्षणाबीजं तात्पर्यानुपपत्ति: इति विषयं पर्यालोचयत।
लक्षणा का प्रकार पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

अथवा

वेदांत के सिद्धांत के अनुसार तात्पर्य की अनुपपत्ति ही लक्षणा का बीज है इस विषय पर विचार करें।

45. अध्यासपदस्यार्थं विचारयत।
अध्यास शब्द के अर्थ पर विचार करें।

46. शमदमयो: सामान्यपरिचय: दीयताम्।

अथवा

काम्यं निषिद्धं च कर्म समासेन वर्ण्यताम्।
शम और दम का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

काम्य और निषिद्ध कर्मों का संक्षेप में वर्णन कीजिये।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

47. सविकल्पकसमाधिं वर्णयत।

सविकल्पकसमाधि का वर्णन करें।

(E) चत्वारः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः। 5x4=20

चार प्रश्नों का दीर्घ उत्तर दीजिए।

48. वेदान्तसम्मतः स्वार्थानुमानक्रमः वर्णनीयः।

अथवा

वेदान्तमते सृष्टिक्रमं संक्षेपेण वर्णयत।

वेदांत द्वारा स्वीकृत स्वार्थ अनुमान के क्रम का वर्णन कीजिए।

अथवा

वेदांत मत के अनुसार सृष्टि क्रम का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

49. वेदान्तमते पञ्चीकरणम् वैशद्येन प्रतिपाद्यताम्।

वेदांत के अनुसार पञ्चीकरण को विस्तार से समझाइये।

50. पञ्चख्यातिषु यथेच्छं ख्यातिद्वयं समासेन आलोच्यताम्।

अथवा

अद्वैतवेदान्तानुसारेण जीवन्मुक्तिं समासेन वर्णयत।

अपनी इच्छानुसार पाँच में से दो ख्याति की संक्षेप में चर्चा करें।

अथवा

अद्वैत वेदांत के अनुसार जीवन्मुक्ति का संक्षेप में वर्णन करें।

51. साधनचतुष्टयस्य समासेन परिचयः प्रदीयताम्।

चारों साधनों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

- o O o -

Unnati Educations
9899436384, 9654279279